Hindi Murli Quiz 12-03-2015

Quiz to help revise the murli. The questions are based on TODAY'S murli
Click here to access the mp3 file of the 20 min murli & also old quizzes

Q.1) **"जो तुम्हारे देवता घराने की आत्मायें होंगी, उन्हे ज्ञान की सब बातें सुनते ही जच जायेंगी, वह मूझेंगे नही । जितना ज्यादा भक्ति की होगी उतना जास्ती सुनने की कोशिश करेंगे । तो बच्चों को नब्ज देखकर सेवा करनी चाहिए ।"**

A. True / सही
B. False / गलत

Q.2) **तुम हो सच्चे- सच्चे पैगम्बर और मैसेंजर । वह ----------तो कुछ भी नही करते । न वह गुरू हैं । गुरू कहते हैं, परन्तु वह कोई सद्गति दाता थोड़े ही हैं । गुरू वह जो सद्गति दें । दु .ख की दुनिया से शान्तिधाम ले जाएँ । क्राइस्ट आदि गुरू नही, वह तो सिर्फ ----------हैं । वह तो सिर्फ अपना धर्म स्थापन कर पुनर्जन्म लेते रहेंगे ।**
(निम्लिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक उत्तर से रिक्त स्थान भरें)

A. धर्म-स्थापक
B. गाइड
C. लिब्रेटर
D. सन्यासी

Q.3) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं -----**

	Choice	Match
A	बन्धनमुक्त की निशानी है -	सदा योगयुक्त ।
B	योगयुक्त बच्चे ,	जिम्मेवारियों के बन्धन, मन का बन्धन वा माया के बन्धन से मुक्त होंगे ।
C	लौकिक जिम्मेवारी तो खेल है,	खेल की रीति से हँसकर खेलो तो कभी छोटी-छोटी बातों में थकेंगे नही ।
D	अगर बन्धन समझते हो तो तंग होते हो,	क्या, क्यों का प्रश्न उठता है ।
E	जिम्मेवार बाप है आप सिर्फ निमित्त हो,	इस स्मृति से बन्धनमुक्त बनो तो योगयुक्त बन जायेगे ।
F	करनकरावनहार की स्मृति अर्थात	भान और अभिमान की समाप्ति ।

Q.4) **तुम जानते हो 84 जन्म सब तो नही लेते । तुम बच्चे यह तो समझते हो कि जिसने बहुत भक्ति की होगी शुरू से लेकर, तो उसको फल भी इतना ही जल्दी और अच्छा मिलेगा । थोड़ी भक्ति की होगी और देरी से की होगी तो फल भी इतना थोड़ा और देरी से मिलेगा । जो 84 जन्म लेने वाला होगा, शुरू से भक्ति की होगी वह झट समझ जायेगा - बराबर आदि सनातन देवी-देवता धर्म था । रूचि से सुनने लग पड़ेंगे । अगर इतना बुद्धि मे जचता नही है अथवा कम समझता है तो समझो यह देरी से आने वाला है । भक्ति भी देरी से की होगी । तो सारा मदार भक्ति पर है ।**

A. True / सही
B. False / गलत

Q.5) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बाप कल्प-कल्प, कल्प के सगमयुगे आते हैं,	इसको कहा जाता है कल्याणकारी सगमयुग ।
B	संगमयुग के अलाबा और कोई युग कल्याणकारी नही है,	सतयुग और त्रेता के संगम का कोई महत्व नही है ।
C	तुम समझते हो तुमको सुख-शान्ति दोनो मिलते हैं ,	जहाँ शान्ति है वहाँ सुख है ।
D	आत्मायें अकाल मूर्त है अर्थात् जिसको काल नही खाता,	आत्मा का यह शरीर है रथ, इस पर वह आत्मा विराजमान है ।
E	सतयुग मे तुमको काल नही खायेगा,अकाले मृत्यु कभी नही होगी,	वह है ही अमरलोक, यह है मृत्युलोक ।
F	तुम सब जन्म-जन्मान्तर के आशिक हो मुझ माशुक के,	वह आशिक-माशूक तो एक जन्म के लिए होते हैं ।

Q.6) **गुरू के पास जाते हैं, हमको बच्चा दो । बच्चा मिल गया तो बहुत खुशी होगी । बच्चा नही हुआ तो कहते ईश्वर की भावी ।----------को तो वह समझते ही नही । शास्त्रों में भी----------का उल्लेख नही है । ----------के आदि-मध्य-अन्त का पता होना चाहिए । बाप कहते है मै 5 - 5 हजार वर्ष बाद आता हूँ । यह 4 युग बिल्कुल इक्वल हैं । स्वास्तिका का भी महत्व है ना । खाता में स्वास्तिका बनाते हैं । यह भी खाता है ना । हमारा फायदा कैसे होता है, फिर घाटा कैसे पड़ता है । घाटा पड़ते-पड़ते अभी पूरा घाटा पड़ गया है ।**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- **A.** ड्रामा
- **B.** भावी
- **C.** फायदा
- **D.** घाटा

Q.7) **"बाप खुद बैठ बताते हैं-- मैने कहा था मैं साधारण बूढे तन मे आता हूँ, आकर तुमको पढ़ाता हूँ । यह (ब्रह्मा) भी सुनते है । यह भी स्टूडेंट है । यह अपने को और कुछ नही कहते । भल इसने विनाश देखा परन्तु समझा कुछ भी नही । आहिस्ते- आहिस्ते समझते गये । जैसे तुम समझते जाते हो । बाप तुमको समझाते हैं । बीच में यह भी समझते जाते हैं । पढ़ते रहते हैं । "**

- **A.** True
- **B.** False

Q.8) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बाप का कोई गुरू नही था,	अगर होता तो उसके और भी शिष्य होते ना ।
B	अभी तुम बच्चे जानते हो बाप इसमे आकर प्रवेश करते है ,	इसलिए कहा जाता है बापदादा ।
C	बाप अलग है, दादा अलग है,	बाप शिव है, दादा ब्रह्मा है ।
D	बाप कहते है नम्बरवन भक्त ब्रह्मा है,	84 जन्म भी इसने लिए है,सावरा और गोरा भी इनको कहते है ।
E	अगर ज्ञान अच्छी रीति सुनते और समझते हैं तो समझो यह नजदीक वाला है ,	बुद्धि मे नही बैठता है तो देरी से आने वाला होगा । सुनाने के समय नब्ज देखी जाती है ।
F	राजधानी में कोई ऊँच राजाई पद पाते हैं, कोई प्रजा में नौकर चाकर बनते हैं,	बाकी हाँ, इतना है कि सतयुग मे कोई दु :ख नही होता ।

Q.9) **आज की धारणा पर आधारित सभी पॉइंट्स चयन करें --**

- **A.** .इस ड्रामा को यथार्थ रीति समझ माया के बन्धनों से मुक्त होना है ।
- **B.** स्वय को अकालमूर्त आत्मा समझ बाप को याद कर पावन बनना है ।
- **C.** सच्चा-सच्चा पैगम्बर और मैसेन्जर बन सबको शान्तिधाम सुखधाम का रास्ता बताना है ।
- **D.** .इस कल्याणकारी सगमयुग पर सभी आत्माओं का कल्याण करना है ।
- **E.** कमजोर आत्माओं को शक्तियों का सकाश देना है ।

Q.10) **"जब कोई शरीर छोडता है तो मुख से तो कहते हैं - फलाना स्वर्ग पधारा । लेकिन अन्दर दु :खी होते रहते हैं । इसमें तो और ही खुश होना चाहिए । फिर उनकी आत्मा को नर्क मे क्यो बुलाते हो? कुछ भी समझ नही है । अभी बाप आकर यह सब बातें समझाते हैं ।"**

- **A.** True
- **B.** False

Q.11) **क्विज को और बेहतर बना ने के लिए कृपया अपने सुझाव दें ।**